इंस्पायर अवार्ड्स मानक

राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान को बढ़ाते लाखों मस्तिष्क

इंस्पायर अवार्ड्स – मानक
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार,
टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली- 110016
दूरभाष- 91 11 26590500/26590642
ईमेल- inspire.awards@nic.in, www.inspireawards-dst.gov.in

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान- भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
ग्रामभारती, अमरापुर, गांधीनगर- महुडी रोड, गांधीनगर–382650, गुजरात
दूरभाष : + 91 2764 261131/32/38/39 फैक्स : +91 22 39167115
ईमेल- inspire@nifindia.org, www.nif.org.in
जानकारी के लिए + 91 9638418605 पर संपर्क करें

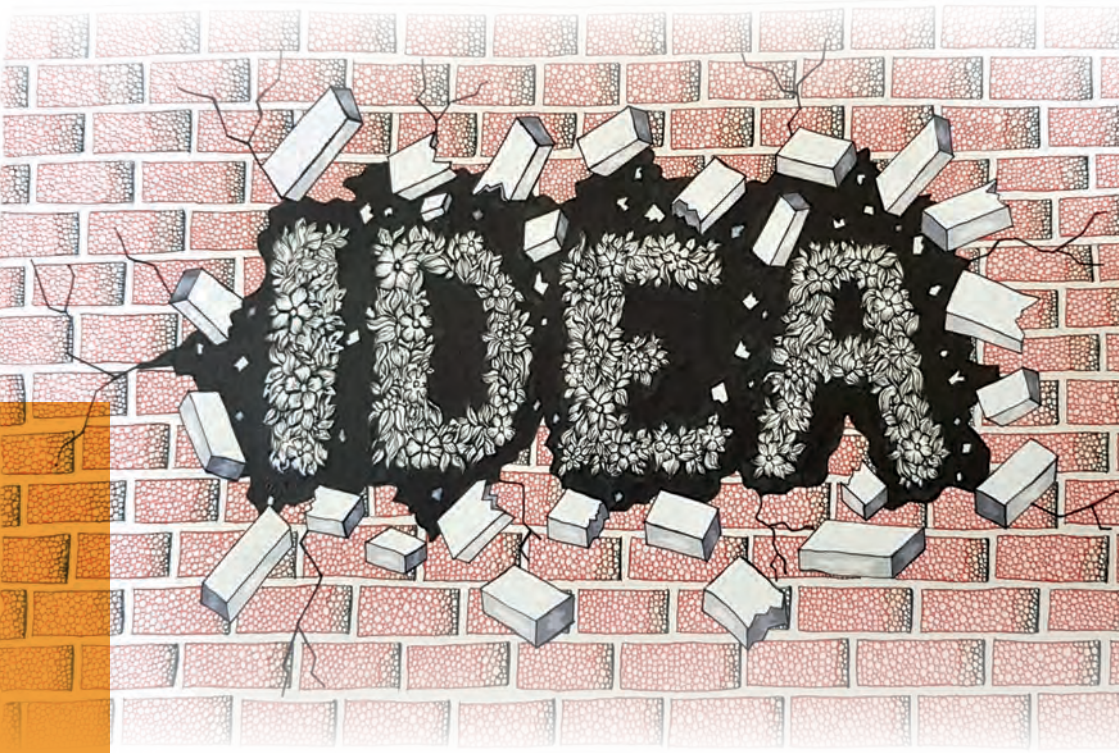

इंस्पायर

(अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान खोज में नवोन्मेष)

अवार्ड्स

मानक

(राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान को बढ़ाते लाखों मस्तिष्क)

भावी नवप्रवर्तकों की प्रेरणा

इंस्पायर अवार्ड्स-मानक

दृष्टिहीन व्यक्तियों को चलने में सहायता प्रदान करने वाला चश्मा

विज्ञान और तकनीकी पर आधारित 10 लाख मौलिक विचारों/नवप्रवर्तनों के आवेदन के जरिए इंस्पायर अवार्ड्स-मानक, स्कूली बच्चों में नवप्रवर्तन (इनोवेशन) और रचनात्मक सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से सामाजिक जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक पहल है।

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा साल 2009-10 से इंस्पायर पुरस्कार योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। वर्तमान में इंस्पायर अवार्ड्स-मानक (राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान को बढ़ाते लाखों मस्तिष्क) योजना का आयोजन डीएसटी और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत (रानप्र) के द्वारा किया जा रहा है । इसे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए ''स्टार्टअप इंडिया'' पहल के साथ जोड़ा गया है।

नवप्रवर्तन क्या है?

सामान्य रूप से किसी नए उत्पाद, उपकरण या प्रक्रिया, जो कि एक स्तर पर उपयोगी हो उसे नवप्रवर्तन कहते हैं। यह मौजूदा उत्पाद/उपकरण/तरीकों से बेहतर होना चाहिए जो उत्पादकता, कार्यक्षमता, कई कार्यों के लिए सक्षम बनाना और/अथवा मेहनत को कम करने में मदद करे।

एलपीजी सिलेंडर में लगे प्लास्टिक ढक्कन को खोलने वाला उपकरण

अनाज भरने में सहायक उपकरण

नवप्रवर्तन क्यों जरूरी है?

नवप्रवर्तन महज प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए नहीं होता है, बल्कि यह संस्थानों, उद्योगों के साथ विश्व के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। उत्पाद, प्रक्रिया और तरीकों में बेहतरी के जरिए सेवाओं को बेहतर बनाने और लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में नवप्रवर्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि अनुसंधान और नवप्रवर्तन को शुरूआती दौर में प्रोत्साहित कर उसे आगे ले जाया जाय। नवप्रवर्तन के महत्व को देखते हुए ही भारत सरकार ने साल 2010-20 के दशक को नवप्रवर्तन का दशक घोषित किया है।

शरीर के ऊपरी हिस्से से अक्षम लोगों के लिए
पैर संचालित माउस

बच्चों को मौलिक बनने के लिए क्यों प्रेरित करना चाहिए?

सृजनशील और कल्पनाशील बच्चे किसी भी राष्ट्र की बहूमूल्य सम्पत्ति होते हैं। संवेदना, सृजनशीलता और सहयोग की भावना बच्चों को भारत ही नहीं बल्कि संसार के लिए एक योग्य नागरिक बनाता है। यह सभी बच्चों में जन्मजात होती है और इसका आधारभूत आविर्भाव भी एक सामान होता है, लेकिन सबकी क्षमताएं अलग-अलग होती हैं। ऐसे में हमें अपने बच्चों को मौलिक और सृजनशील बनाने पर बल देना चाहिए। भविष्य में उनका यही गुण समाज के नेतृत्व में मदद करेगा। तब वह नवाचार की ऊर्जा से देश के लिए रचनात्मक और समावेशी भविष्य बना सकेंगे। हमारे समाज का समावेशी विकास बच्चों को यह मौका देता है कि वह समस्याओं के निदान के लिए अभिनव राह तैयार कर सकें।

शौचालय की सफाई करने वाला
ऑटोमैटिक उपकरण

इंस्पायर अवार्ड्स - मानक भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित एक विशिष्ट कार्यक्रम है।इसका मुख्य उद्देश्य किशोरावस्था (कक्षा 6 से लेकर 10 तक के यानी 10 से 15 साल उम्र के) में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर उन्हें विज्ञान की तरफ आकर्षित करना है।इस कार्यक्रम में देशभर के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के मौलिक विचारों और नवप्रवर्तनों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे भविष्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा और मजबूती देने के लिए एक बेहतर मानव बल श्रृंखला तैयार किया जा सके। इसके साथ ही शोध और विकास के आधार को भी मजबूती दी जा सके।

इंस्पायर अवार्ड्स - मानक के तहत किस प्रकार का आवेदन आमंत्रित किया जाता है?

इंस्पायर अवार्ड्स - मानक के तहत विद्यार्थियों के मौलिक विचारों/नवप्रवर्तनों को आमंत्रित किया जाता है, जो समाज की रोजमर्रा की समस्याओं (किसानों, मजदूरों आदि) का समाधान कर सके। बच्चों को अपने आसपास की सामान्य समस्याओं को देखने और उसके समाधान के लिए प्रेरित करना चाहिए।

योजना का कार्यान्वयन किस प्रकार किया जा रहा है ?

- राज्य और जिला स्तर के पदाधिकारियों में इंस्पायर अवार्ड्स - मानक कार्यक्रम के प्रति जागरूकता और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए देश भर में क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन, जिसमें साहित्य और ऑडियो-विजुअल टूल के जरिए योजना से सम्बंधित सभी जानकारियों से अवगत कराया जाएगा।
- प्राचार्य/मुख्याध्यापक द्वारा स्कूलों में आइडिया प्रतियोगिता के जरिए विद्यार्थियों के दो से तीन अच्छे विचारों/नवप्रवर्तनों का चयन किया जायेगा, जिसका ऑनलाइन नामांकन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग-भारत सरकार के वेब पोर्टल E-MIAS(E-Management of INSPIRE Awards Scheme) के वेबलिंक www.inspireawards-dst.gov.in पर किया जाएगा।
- स्कूल को वेबपोर्टल E-MIAS पर पंजीकृत होना चाहिए।
- राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान- भारत (रानप्र) द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित सामाजिक जरूरतों को पूरा करने वाले एक लाख विचारों का चयन किया जाएगा।
- चयनित विद्यार्थियों को 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (Direct Benefit Transfer) योजना के जरिए सीधे उनके खातों में भेजी जाएगी।
- राज्य और जिला स्तर के प्राधिकारियों द्वारा जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कॉम्पीटिशन (DLEPC) का आयोजन किया जाएगा। यहां से 10 हजार विचारों/नवप्रवर्तनों का चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी (SLEPC) के लिए किया जाएगा।

- राज्यस्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कॉम्पीटिशन (SLEPC) का आयोजन, जहां से 1000 विचारों/नवप्रवर्तनों का चयन राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कॉम्पीटिशन (NLEPC) के लिए किया जाएगा। इस स्तर पर राष्ट्रीय नवप्रर्वतन प्रतिष्ठान- भारत, देश के विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी संस्थानों के सहयोग से विद्यार्थियों के प्रोटोटाइप/मॉडल विकसित करने में मदद और सलाह उपलब्ध कराएगा।

- विचारों का चयन के लिए उसकी नवीनता, व्यवहारिकता, सामाजिक उपयोगिता, पर्यावरण की अनूकूलता और वर्तमान में मौजूद तकनीक से बेहतरी के आधार पर होगा।

- चयनित 1000 विचारों/नवप्रवर्तनों को राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कॉम्पीटिशन (NLEPC) में प्रदर्शित किया जाएगा, जहां से श्रेष्ठ 60 को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चयनित किया जाएगा।

- राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत चयनित सभी 60 विचारों/नवप्रवर्तनों की उपयोगिता, व्यवसायिकता की संभावनाओं की जांच कर उसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और रानप्र-भारत के अन्य योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करेगा और सभी प्रोटोटाइप को वार्षिक नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रतियोगिता में कौन-कौन भाग ले सकता है?

इंस्पायर अवार्ड्स - मानक प्रतियोगिता में सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों, सरकारी अथवा निजी, सहायता प्राप्त अथवा अ-सहायता प्राप्त, किसी भी राष्ट्रीय अथवा राज्य बोर्ड के कक्षा 6 से लेकर 10 तक (10 से15 साल उम्र के) के सभी विद्यार्थी (समूह में नहीं) अपने मौलिक विचारों/नवप्रवर्तनों को अपने स्कूल में जमा (संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज 22 भाषाओं में से किसी एक में) कर सकते हैं।

सुरक्षा मॉस्क के साथ कीटनाशक का छिड़काव करने वाला पम्प

क्या सभी शिक्षा समितियों (राष्ट्रीय और राज्य) के विद्यार्थी इसमें भाग ले सकते हैं?

हां, इंस्पायर अवार्ड्स -मानक, में सभी शिक्षा समितियों (राष्ट्रीय और राज्य) के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।

इंस्पायर अवार्ड्स - मानक प्रतियोगिता की समय सीमा क्या है?

नामांकन की समय सीमा और अन्य जानकारियों के लिए कृपया इंस्पायर अवार्ड्स - मानक के वेबपोर्टल (www.inspireawards-dst.gov.in) पर जाएं।

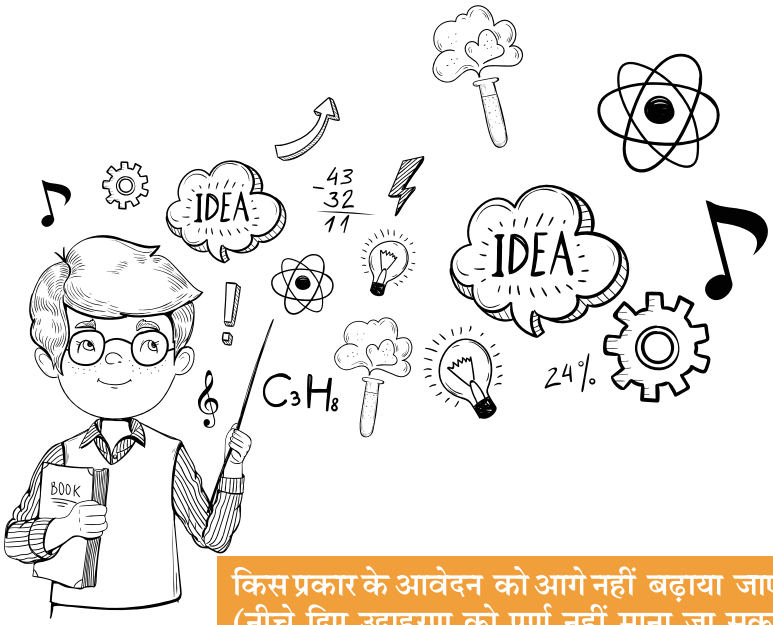

किस प्रकार के आवेदन को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा? (नीचे दिए उदाहरण को पूर्ण नहीं माना जा सकता है)

योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में मौलिक और तकनीकी विचारों को बढ़ावा देना है। इस प्रतियोगिता में किताबों में दिए गए सामान्य विचार/ प्रोजेक्ट, डू इट योर सेल्फ बुक्स/वेबसाइट, बच्चों के अन्य प्रतियोगिताओं में दिए गए विचारों को नहीं जमा करना चाहिए। इसके अलावा भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान अथवा गणित के अवधारणाओं/सिद्धांतों को नहीं जमा करना चाहिए। सामान्य विचार/ प्रोजेक्ट (किताबों में दिए गए उद्धरण जैसे पन बिजली परियोजना, बारिश के पानी का संग्रहण, जल स्तर सूचक, जैविक खाद, पत्र पेटी सूचना यन्त्र, अन्य प्रकार के सूचना यन्त्र, ऊर्जा बनाने के लिए टरबाइन का प्रयोग, अनुपयोगी बैटरी/गोबर/ यातायात/हवा से बिजली का निर्माण अथवा भूकम्प सूचक यन्त्र इत्यादि) को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

इंस्पायर अवार्ड्स - मानक में बच्चों को केवल मौलिक विचारों/नवप्रवर्तनों के लिए प्रेरित करना चाहिए। माता-पिता बच्चों के मौलिक विचारों को प्रोटोटाइप/मॉडल बनाने में मदद कर सकते हैं, लेकिन अपने खुद के विचार नहीं दे सकते हैं। शिक्षकों को नीचे लिखे वेबलिंक पर पहले से दर्ज विचारों को देखकर बच्चों को इसकी जानकारी देनी चाहिए। इससे बच्चे पहले से दर्ज विचारों/नवप्रवर्तनों से अलग मौलिक और नए विचारों को सामने ला पाएंगे, जो प्रतियोगिता के स्तर को ऊपर उठाने में मदद करेगा।

(http://www.inspireawards-dst.gov,in/User P/inspire-downloads.aspx)

झटके को कम करने वाला स्ट्रेचर

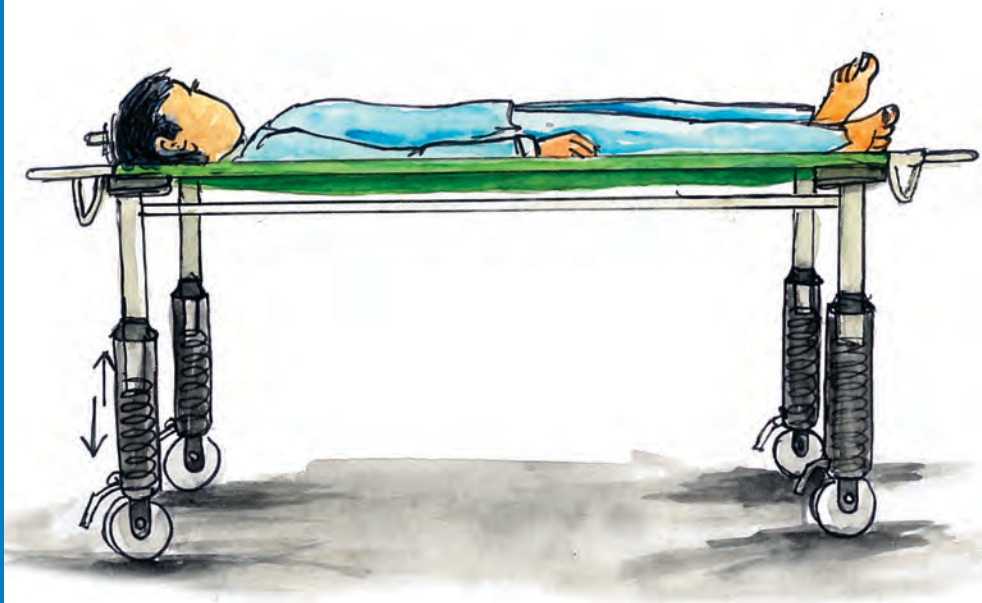

विद्यार्थियों से विचारों/नवप्रवर्तनों को किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है?

प्राचार्य/मुख्याध्यापक इंस्पायर अवार्ड्स - मानक के तहत तय किए गए उम्र और कक्षा के विद्यार्थियों से विचार/नवप्रवर्तन की रुपरेखा जमा करने के लिए आवेदन आमंत्रित करेंगे। विद्यालयइसके लिए आइडिया प्रतियोगिता भी आयोजित भी कर सकते हैं।

आइडिया प्रतियोगिता क्या है?

स्नानघर में मॉनिटर के उपयोग के जरिए पानी की बचत

आइडिया प्रतियोगिता के तहत स्कूल विद्यार्थियों को एक जगह इकट्ठा करके उन्हें विचारों/नवप्रवर्तनों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, जैसे...

क) एक मशीन या गैजेट, जो कि उपलब्ध नहीं हो, लेकिन विद्यार्थी उसे बनाना चाहता हो।

ख) किसी मौजूदा मशीन या गैजेट की बेहतरी के लिए सुधार की आवश्यकता हो, जिससे वह बहुआयामी हो सके, उसकी दक्षता या आउटपुट में सुधार हो और कठिन परिश्रम में कमी ला सके।

ग) इसके अलावा कोई ऐसा विचार जो स्थानीय तकनीकी समस्या का समाधान कर सके, जिसे विद्यार्थी रोजाना अपने आसपास देखता हो।

विद्यार्थी अपने मौलिक तकनीकी विचार के बारे में सोचने के बाद उसे एक पेपर पर लिखकर प्रधानाचार्य/मुख्याध्यापक को जमा करेंगे। इसके बाद स्कूल द्वारा दो-तीन विचारों का चयन किया जायेगा, जिसका नामांकन ऊपर बताए गए प्रारूप में इंस्पायर अवार्ड्स - मानक के लिए किया जायेगा।

क्या प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के आवेदन की कोई संख्या तय की गई है?

नहीं, स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों को उनके इच्छानुसार एक साथ अनेकों विचारों/नवप्रवर्तनों के आवेदन के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

प्राचार्य/प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यार्थियों के नामांकन की क्या प्रक्रिया होगी ?

सभी आवेदनों का ऑनलाइन नामांकन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के वेबपोर्टल E-MIAS (E-Management of INSPIRE Awards Scheme) के वेबलिंक (http://www.inspireawards-dst.gov.in) पर किया जाएगा। नए/अपंजीकृत विद्यालय इस पोर्टल पर स्वयं को पंजीकृत कर सकते है।

अनूठे विचारों/नवप्रवर्तनों का चयन किस आधार पर किया जाएगा?

विचारों का चयन उसकी नवीनता और नवप्रवर्तन के लिए विद्यार्थी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर किया जाएगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत, यह सुनिश्चित करेंगे की इसमें लड़कियों और एससी-एसटी विद्यार्थियों का समान प्रतिनिधित्व रहे।

कुली के भुगतान करने की गणना करने वाली मशीन

पैर से दरवाजा
खोलने की युक्ति

प्राचार्य और निर्णायक मंडल के सदस्यों को विचारों/नवप्रवर्तनों के चयन के दौरान किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

चयन के दौरान विचारों/नवप्रवर्तनों के नवीनता, सामाजिक उपयोगिता, उपयोग, पर्यावरण पर प्रभाव, व्यवसायिक और गैर व्यवसायिक प्रणाली के जरिए उसके प्रसार की क्षमता, समानांतर में सरकार के द्वारा चलाए जा रहे अन्य कार्यक्रमों से प्रासंगिकता इत्यादि को ध्यान रखना चाहिए।

पुरस्कार की घोषणा कब की जाएगी और इसे कब दिया जाएगा?

- अगस्त में विचारों/नवप्रवर्तनों का चयन और पुरस्कार राशि का हस्तांतरण
- सितम्बर में जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (DLEPC) का आयोजन
- अक्टूबर में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (SLEPC) का आयोजन
- दिसंबर के पहले सप्ताह में राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता (NLEPC) का आयोजन
- प्रति वर्ष मार्च माह में आयोजित होने वाले नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव में विशिष्ट 60 विचारों/नवप्रवर्तनों का प्रदर्शन

क्या विचार/नवप्रवर्तन के छाया चित्र, वीडियो या रेखाचित्र की जरूरत पड़ेगी?

हां, यदि उपलब्ध हो तो। यह विशेषज्ञों को विचार/नवप्रवर्तन के मूल्यांकन में मदद करेगी।

विद्यार्थियों के विचारों के नामांकन के समय ध्यान रखे जाने योग्य निर्देश

1. वेबपोर्टल (E-MIAS) पर सभी फील्ड्स पूर्ण और सावधानी से भरना चाहिए।
2. विद्यार्थी की व्यक्तिगत और बैंक की जानकारी (आईएफएससी कोड और खाता संख्या) को दोबारा जांच लेना चाहिए।
3. विद्यार्थी का नाम और खाताधारक का नाम एक होना चाहिए।
4. प्रोजेक्ट के शीर्षक में, प्रोजेक्ट की व्याख्या करने वाला उचित शीर्षक होना चाहिए (उदाहरण के लिए ''सुपारी के पेड़ पर चढ़ने वाला उपकरण'', ''बुजुर्गों को टहलने में सहायता प्रदान करने वाला उपकरण'' आदि) न कि व्यापक विषय जैसे कृषि, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, डिजिटल इंडिया, इत्यादि।

सही शीर्षक और सारांश कैसे लिखें

प्रोजेक्ट के सारांश में, निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल करने की आवश्यकता है - प्रोजेक्ट क्या है, यह किस समस्या को संबोधित करता है, और इसका क्या लाभ है। कृपया नीचे दिया गया उदाहरण देखें।

प्रोजेक्ट का शीर्षक : फोल्डिंग सीट के साथ ट्रेवलिंग बैग

प्रोजेक्ट सारांश : कई बार यात्रियों को बस/रेलवे स्टेशन पर बस या ट्रेन की प्रतीक्षा करते समय खड़े रहना पड़ता है, क्योंकि उपलब्ध सीटों की संख्या कम होती है। विद्यार्थी ने एक बैग विकसित किया है, जिसमें तह किये जानेवाली सीट भी लगायी गई है। बस/ट्रेन के इंतजार के दौरान बैठने के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे लंबे समय तक खड़े रहने से होने वाली असुविधा को समाप्त किया जा सकता है। यह महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होगा।

अन्य दस्तावेज यदि उपलब्ध हो, तो अपलोड किए जा सकते हैं।

पुरस्कार राशि विद्यार्थियों को कैसे दी जाएगी?

पुरस्कार राशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना (Direct Benefit Transfer) के जरिए सीधे विद्यार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। इसलिए छात्र के नाम और बैंक खाते में दिए गए नाम का ठीक से मिलान किया जाना चाहिए। यदि छात्र के पास बैंक खाता नहीं है, तो एक नया व्यक्तिगत खाता या माता-पिता में से एक के साथ एक संयुक्त खाता खोला जा सकता है। यह नामांकन से पहले किया जा सकता है, ताकि नामांकन फॉर्म में सही विवरण दर्ज हो।

क्षेत्रीय और मेंटरिंग कार्यशाला के दौरान किस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी?

क्षेत्रीय कार्यशालाओं में, प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियाँ प्रस्तुत करने से पहले या जमा करने की अवधि के दौरान, प्रतिभागियों (शिक्षक, प्रधानाचार्य, जिला और राज्य-स्तरीय अधिकारी) को इंस्पायर अवार्ड्स-मानक योजना के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही छात्रों में नवीन और मौलिक सोच को विकसित करने की आवश्यकता के बारे में बताया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता से पहले देश के विभिन्न इंजीनियरिंग और शोध एवं विकास संस्थानों में मेंटरिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रतिकृति(प्रोटोटाइप)/ प्रतिरूप (मॉडल) बनाने के बारे में जानकारी दी जाएगी, जिससे राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी में बेहतर प्रोटोटाइप/मॉडल प्रदर्शित किया जा सके। विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग/डिजाइनिंग के छात्रों/शिक्षकों से सीखने और समझने का भी मौका मिलेगा।

इंस्पायर अवार्ड्स मानक

राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान
को बढ़ाते लाखों मस्तिष्क

इंस्पायर अवार्ड्स – मानक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार,
टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली- 110016
दूरभाष- 91 11 26590500/26590642
ईमेल- inspire.awards@nic.in, www.inspireawards-dst.gov.in

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान- भारत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
ग्रामभारती, अमरापुर, गांधीनगर- महुडी रोड, गांधीनगर–382650, गुजरात
दूरभाष : + 91 2764 261131/32/38/39 **फैक्स** : +91 22 39167115
ईमेल- inspire@nifindia.org, www.nif.org.in
जानकारी के लिए + 91 9638418605 पर संपर्क करें